>

Title: Reported radiation leakage from Kakrapar Atomic Power Station in Gujarat and the necessity to take steps to prevent recurrence of such incidents in future.

श्री बालकृष्ण खांडेराव शुक्ला (वडोदरा): महोदय,अभी हम सारे भारतवासी अमरीका के साथ न्यूक्लियर ट्रीटी कर अभिमान महसूस कर रहे हैं, वहीं अमरीका ने पिछले तीस वर्षों में एक भी न्यूक्लियर प्लॉन्ट नहीं लगाया है। पूरे विश्व में सबसे ज्यादा यूरेनियम, जो कि न्यूक्लियर प्लॉन्ट में यूज़ होता है वह आस्ट्रेलिया में मिलता है। आस्ट्रेलिया में एक भी परमाणु बिजलीघर नहीं है। अपने देश में अलग-अलग हिस्सों में करीब 20 न्यूक्लियर प्लॉन्ट हैं। इन प्लॉन्टों के बारे में बहुत गोपनीयता बरती जाती है, जो कि देश की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। परंतु इसी कारण इन प्लॉन्टों में जो छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होती रहती हैं, उनकी जानकारी भी लोगों को नहीं मिलती है। एक आकलन के अनुसार बीते दौर में 3000 से ज्यादा कर्मचारियों में रेडिएशन की मात्रा बहुत ज्यादा या खतरनाक पाई गई है। भाभा परमाणु केन्द्र में 14 साल में करीब 70 कर्मचारियों की कैंसर के कारण मौत हुई है। मैं गुजरात राज्य से आता हूँ।

वहां काकरापार न्यूक्लियर प्लान्ट है, जिसकी क्षमता 440 मेगावाट है। मिठीविर्दी में प्रस्तावित पावर प्लान्ट है, जिसकी क्षमता 6000 मेगावाट है। काकरापार प्लान्ट में पिछले दिनों 30 मई 2011 को एक बहुत बड़ी घटना हुई, जिसकी तरफ मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। गुजरात के काकरापार एटॉमिक पावर स्टेशन में पिछली 30 मई 2011 के दिन कंट्रोल रूम द्वारा सफाई करने हेतु सात कर्मचारियों को मरम्मत करने हेतु अन्दर भेजा गया। उनका समय सुबह 9.30 बजे से 1.00 बजे दोपहर तक था। एकाएक 11: 45 बजे कंट्रोल रूम के किसी जिम्मेदार अधिकारी ने टनल शुरू कर दिया और रेडिएशन की जानकारी देने वाली 500 की रेंज वाली डी.आर.डी. अचानक बंद हो गयी और रेडिएशन की मात्रा बढ़ गयी। टनल के अन्दर जो मजदूर मरम्मत कर रहे थे, वे जान बचाकर बाहर तो आ गये, लेकिन दूसरे दिन उनके शरीर में 941 से 9000 तक रेडिएशन की मात्रा पायी गयी। विभाग द्वारा असरग्रस्त मजदूरों को किसी भी प्रकार की चिकित्सा न देने के कारण उनकी हालत बहुत खराब हो गयी है। अभी पिछले सप्ताह उनके द्वारा जिला कलेक्टर को आवेदन पत्र देने के बाद उन्हें मुम्बई में इलाज के लिए भेजा गया है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि इन मजदूरों को उचित न्याय मिले, सम्बन्धित जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल निलंबित किया जाये, उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाये और इस प्रकार की दुर्घटना से बचने के लिए किसी कानून का प्रावधान किया जाये। धन्यवाद।

उपाध्यक्ष महोदय : श्रीमती दर्शना जरदोश,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल और

श्रीमती ज्योति धुर्वे अपने आप को श्री बालकृष्ण खांडेराव शुक्ला जी के विषय के साथ एसोसिएट करते हैं। शून्यकाल के बाकी विषय शाम को लिये जायेंगे। आज लंच ब्रेक नहीं किया जायेगा।